हिंदी दिवस समारोह, 2018

दिनांक **14** सितम्बर **2018** को कमल इंस्टीट्यूट ऑफ हॉयर एजुकेशन एंड एडवांस टेक्नोलॉजी**,** मोहन गार्डन के प्रांगण में हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ मदन मोहन माहेश्वरी जी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम का संचालन असिस्टेंट प्रोफेसर दीपक अधाना ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ मदन मोहन माहेश्वरी जी ने कहा कि हिंदी भारतीय संस्कृति की वाहिका है। भाषा एवं संस्कृति किसी भी देश के विकास के पथ प्रदर्शक होते हैं। उन्होंने **बताया** कि **14** सितंबर **1949** को संविधान सभा द्वारा अंग्रेजी के साथ**-**साथ हिंदी को भी भारत की शासकीय भाषा के रूप में स्वीकार किया गया। **1953** के बाद से भारत में इस भाषा के इस्तेमाल को बढ़ावा देने के लिए हर वर्ष **14** सितंबर को हिंदी दिवस मनाया जाता रहा है।

दीपक अधाना ने हिंदी दिवस के महत्व को समझाते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति को समूल विनष्ट करने वाली मैकाले की शिक्षा पद्धति को समाप्त करने के लिए अथक प्रयत्न के बाद वर्ष **1949** में हिंदी (देवनागरी लिपि में लिखित) को राजभाषा का दर्जा प्राप्त हुआ। दीपक अधाना ने इस मौके पर आयोजित समारोह में कहा ''मैं सदैव नयी भाषायें सीखने का पक्षधर रहा हूं। हर भाषा नया ज्ञान लाती है परंतु प्रारंभिक शिक्षा का माध्यम मातृभाषा होना ही चाहिये।'' उन्होंने हिंदी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता का भी विशेष उल्लेख किया।

इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर सुश्री पूजा आर्या और श्रीमती हिना भल्ला ने भी हिंदी भाषा के महत्व पर अपने विचार रखे। इस मौके पर श्री अनुदीप अरोड़ा**,** कुलसचिव सहित अभी प्रोफेसर व छात्र**-**छात्राएं मौजूद थे।

इस अवसर पर आयोजित प्रतियोगिता में छात्रों ने कविता पाठ**,** भाषण एवं एकांकी प्रस्तुत करते हुए हिंदी के महत्व को समझाया। अंत में निदेशक डॉ माहेश्वरी जी ने संस्थान के विद्यार्थियों हेमांग**,** निकिता और निहारिका को उनकी काव्य प्रस्तुति के लिए सम्मानित किया गया।

ADVANCE TECHNOLOGY
हिंदी दिवस
2018